

जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर

क्रमांक: जीवि/परीक्षा-2/गोपनीय/2020/764

दिनांक: 26.08.2020

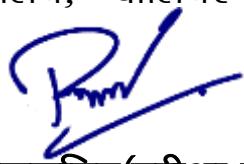
ओपन बुक पद्धति से होने वाली जीवाजी विश्वविद्यालय के अध्ययनशालाओं की परीक्षाओं के लिये अध्ययनशालाओं के विभागाध्यक्ष/समन्वयकों के लिये निर्देश :-

1. विभागाध्यक्ष उक्त परीक्षा के लिये पृथक से विभाग की ई-मेल आईडी बनाकर उसे समर्त छात्रों को ईमेल/वाट्सएप अथवा टेस्ट मैसेज द्वारा घूचित करेंगे।
2. विभागाध्यक्षों को विश्वविद्यालय द्वारा परीक्षा के प्रश्न परीक्षा से पूर्व भेजे जावेंगे।
3. परीक्षा कार्यक्रम के अनुसार प्रश्नपत्रों के लिफाफों को ठीक उसी प्रकार खोला जावेगा जिस प्रकार सामान्य परीक्षाओं में केन्द्राध्यक्ष के द्वारा खोला जाता है। तत्पश्चात प्रश्नपत्र को रखेन कर उसकी पीडीएफ फाईल बनाकर परीक्षा में शामिल हो रहे छात्रों को उनके ईमेल/वाट्सएप नम्बर पर भेजने की जिम्मेवारी विभागाध्यक्षों की होगी। परीक्षा प्रारम्भ होने के पूर्व विभागाध्यक्ष यह सुनिश्चित करेंगे कि प्रश्नपत्र छात्रों को प्राप्त हो गया है।
4. तत्पश्चात प्रत्येक छात्र से उसकी उपस्थिति प्राप्त की जाये एवम उसको रिकॉर्ड में रखा जावे।
5. चुंकि छात्रों द्वारा उत्तरपुस्तिका की पीडीएफ फाईल विभागाध्यक्ष/समन्वयकों द्वारा जारी मेल आईडी पर भेजी जाना है। अतः उक्त उत्तरपुस्तिकाओं को डाउनलोड करने के लिये आवश्यक कागज, प्रिंटर एवं अन्य आवश्यक सामग्री की व्यवस्था आवश्यक रूप से की जाना है।
6. उत्तरपुस्तिकाओं को परीक्षा के दिन ही डाउनलोड किया जाना है जिससे कि मूल्यांकन में विलम्ब न हो।
7. उत्तरपुस्तिकाओं को डाउनलोड करने के पश्चात उन्हें अनुक्रमांकों के अनुसार व्यवस्थित करली जावे एवं उन्हें मूल्यांकन हेतु मूल्यांकनकर्ता को दे दी जावे। मूल्यांकनकर्ता के नाम विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध करा दिये जावेंगे, अगर कोई मूल्यांकनकर्ता उपलब्ध न हो तो विभागाध्यक्षों/समन्वयकों को यह अधिकार होगा कि अन्य योग्य शिक्षकों से उनका मूल्यांकन करवाले तथा उनके नाम की स्वीकृति विश्वविद्यालय से प्राप्त करलें।
8. मूल्यांकन के पश्चात प्राप्तांकों को विश्वविद्यालय की साइड पर अपलोड किया जाना है। यह कार्य भी विभागाध्यक्षों/समन्वयकों द्वारा किया जावेगा। अंकों को अपलोड करने का कार्य यथा सम्भव मूल्यांकन समाप्त होने के पश्चात तत्काल कर दिया जावे तथा उसकी एक प्रति विश्वविद्यालय में जमा कराई जावे।
9. परीक्षा संचालन व्यवस्था के लिये विभागाध्यक्ष/समन्वयक विश्वविद्यालय से रु० पॉच हजार अग्रिम प्राप्त कर सकते हैं।


कुलसचिव,

प्रतिलिपि:-

1. समर्त विभागाध्यक्ष/समन्वयक, समर्त संबंधित अध्ययनशालायें, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर ।
2. कुलपति के सचिव, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर ।
3. कुलसचिव के निजी सहायक, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर ।



उप-कुलसचिव(परीक्षा/गोपनीय)